ओणम और मिलाद-उन-नबी

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री और **राष्ट्रपति ने ओणम** तथा **मिलाद-उन-नबी (ईद-ए-मिलाद)** के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं ।

- इस वर्ष **ओणम और मिलाद-उन-नबी** दोनों पूरे भारत में **एक ही दिन मनाए गए।**

ओणम:

- ओणम केरल का एक प्रमुख **फसल उत्सव है, जो असुर राजा महाबली की घर वापसी की** याद में मनाया जाता है , जिनके बारे में मान्यता है कि उन्होंने इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि लायी थी।
- **यह मलयालम कैलेंडर के पहले महीने,** कोल्लावर्षम, चिंगम के दौरान होता है ।
- दस दिवसीय यह त्योहार **अथम (ओणम का पहला दिन) से शुरू तथा थिरुवोणम (अंतिम दिन)** पर समाप्त होता है।
- **प्रमुख समारोहों में पूक्कलम (फूलों की रंगोली)** के निर्माण के साथ-साथ विभिन्न पारंपरिक अनुष्ठान जैसे-**वल्लम काली (नाव दौड़)** , **पुलिकली (बाघ नृत्य)** , **कुम्माट्टिकाली (मुखौटा नृत्य)** और **ओनाथल्लू (मार्शल आर्ट) शामिल हैं।**
- **मिलाद-उन-नबी (ईद-ए-मिलाद):** यह **पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म की याद में मनाया जाता है** । परंपरा के अनुसार, पैगंबर का जन्म **570 ई.** में मक्का में रबी-उल-अव्वल (इस्लामिक कैलेंडर का तीसरा महीना) की 12 तारीख को हुआ था ।
    - उल्लेखनीय बात यह है कि **पैगंबर का निधन भी इसी दिन हुआ था।**

और पढ़ें...ओणम उत्सव

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/onam-and-milad-un-nabi